08-07-2009

श्री जगदीश ठाकोर (पाटन): सभापति महोदय, महात्मा गांधी और सरदार पटेल की पवित्र भूमि गुजरात से मैं पहली बार इस सदन में चुनाव जीतकर आया हूं। देश में लोकतंत्र की सबसे बड़ी इस पंचायत में आपने मुझे रेल बजट पर बोलने का अवसर दिया, उसके लिए मैं आपका आभारी हूं। माननीया रेल मंत्री ने जो रेल बजट पेश किया है, मैं उसका समर्थन करता हूं। रेल विभाग में पूरे देश में 14 लाख कर्मी काम करते हैं। देश के करोड़ों यात्रियों के सफर को सुविधायुक्त बनाने की चिंता रेल विभाग करता है। यह हमारे देश की गौरव गाथा है। रेल बजट सिर्फ एक साल के लिए ही नहीं होता है। आम आदमी की समस्याओं को ध्यान में रखकर यह बजट बनाया जाता है। यह रेल बजट प्रगति की इंतजार में बैठे लोगों के लिए है। हमारी यूपीए सरकार ने भारतीय संविधान के अनुसार कल्याणकारी कार्य है, सिर्फ मुनाफा कमाना ही हमारा काम नहीं है। समग्र विकास की ओर हमारी सरकार का यह पहला कदम है।

सभापति महोदय, इस रेल बजट में पहली बार एससी और एसटी का बैकलॉग भरने की बात कही गई है। पहली बार इस रेल बजट में विकलांगों की भर्ती में अग्रिमता देने की बात कही गई है। पहली बार इस रेल बजट में लोगों को ताकत देने की बात कही गई है। महिला रेल मंत्री ने रेल बजट में पहली बार महिला स्पेशल ट्रेन का एलान करके संविधान के आदर्श को पूरा करने की बात कही है। गुजरात पहले से ही उद्योग और आर्थिक विकास की ओर अग्रसर रहा है।

Comment:

जब से गुजरात का जन्म हुआ, तब से गुजरात और महाराष्ट्र औद्योगिक क्षेत्र में प्रथम या द्वितीय स्थान पर रहे हैं। रेलवे को मैहसूली-आमदनी से काफी रकम वहां से

मिलती है। पिछले पांच सालों में गुजरात ने इस दिशा में काफी अच्छा काम किया है। इस बजट में भी पोरबंदर और अहमदाबाद को विश्व-स्तर के रेलवे स्टेशन्स दिये हैं, बड़ौदा जैसी सिटी को आदर्श स्टेशन्स दिये हैं और कहीं नहीं रुकने वाली मुम्बई से अहमदाबाद वाली एक स्पेशल ट्रेन दी है, पूरे सप्ताह चलने वाली राजधानी दी है और राजकोट-विरमगांव के लिए नयी रेल का प्रबंध भी किया है।

श्री: अध्यक्ष अगर आप किसी भी अधिक सुझाव दिया है, आप दे सकते हैं.

श्री जगदीश ठाकोर : **मेरे क्षेत्र पाटन में पाटन-भिलड़ी का काम मंजूर किया हुआ है, उसमें तेज गति आनी चाहिए। महसाणा-हारीज-राधनपुर** 107 **किलोमीटर का जो सर्वे पूरा किया है, उसमें भी आगे काम होना चाहिए। माननीय सभापति जी, भवानी दांता तारंगा हिल अंबाजी पांच अक्टूबर** 1930 **को दांता महाराजा ने यह प्रस्ताव पॉलिटिकली एजेंसी महीकांठा से मंजूर करवाई थी। सन्** 2005-2006 **में इसका सर्वे हुआ है। पूरे देश में** 51 **शक्तिपीठों में से** 12 **शक्तिपीठें बड़ी गिनी जाती हैं। इनमें से** 11 **शक्तिपीठें पहले से ही रेल से जुड़ी हुई हैं। हमारा अंबाजी जो सबसे बड़ा तीर्थ है जहां पूरे देश और विदेश से लाखों तीर्थ-यात्री आते हैं। जैनियों का तारंगा तीर्थ है, इसलिए तारंगा तक ब्रॉडगेज किया जाए और अंबाजी तक यह रेल बढ़ायी जाए, ऐसा मेरा सुझाव है।**